अप्रैल 2016 के दौरान कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग, आफरी द्वारा संपन्न विस्तार गतिविधियों का विवरण

1. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जागरुकता कार्यक्रम लूणावास खारा (प.स. लूणी) में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) की भागीदारी दिनांक 3.04.2016

कृषि विज्ञान केन्द्र, काजरी, जोधपुर द्वारा दिनांक 3.04.2016 को चयनित गाँव लूणावास खारा (प.स. लूणी) में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जागरुकता कार्यक्रम एवं किसान मेला आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में डा. बिलास सिंह (वैज्ञानिक बी) एवं श्री महिपाल विश्नोई (अनुसंधान सहायक) ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम में स्टॉल लगाकर संस्थान एवं संस्थान की शोध गतिविधियां, शुष्क क्षेत्रों के लिये कृषि वानिकी मॉडल, जल संग्रहण एवं नमी संरक्षण, सूक्ष्म प्रवर्धन (Micro Propagation) वृहत् प्रवर्धन (Macro propagation) इत्यादि विषयों से संबंधित अनुसंधान उपलब्धियों तथा वानिकी एवं कृषि वानिकी क्षेत्र में विकसित तकनीकों की जानकारी किसानों को दी गई। इस अवसर पर कृषि वानिकी के विविध लाभ, अच्छे बीजों का महत्व, चयन की विधि एवं एकत्रीकरण इत्यादि विषयों से संबंधित पर्चों (leaflets) का वितरण भी किया गया ।

2. संटर ऑफ एडवांस स्टडीज, डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी, जयनारायण व्यास विष्वविद्यालय, जोधपुर के विद्यार्थियों का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) भ्रमण दिनांक 28.4.2016

दिनांक 28 अप्रैल, 2016 को सेंटर ऑफ एडवांस स्टडीज, डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के 30 छात्र-छात्राओं ने प्रोफेसर पवन कसेरा, डॉ विनोद कटारिया, एवं डॉ सुमन परिहार के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी भा.व.से. ने विद्यार्थियों को पावर पॉइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से संस्थान एवं संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी दी। श्री चौधरी ने वृक्षों का महत्व बताते हुए पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता बताई। उन्होने वन एवं पर्यावरण के बारे मे जागरुक होने एवं जनचेतना के प्रयास की अपील की।

विद्यार्थियों को संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण भी कराया गया जिसमें जहां डॉ रंजना आर्य एवं डॉ माला राठौड़ ने विद्यार्थियों को अकाष्ठ वन उत्पादों के महत्व एवं पारंपरिक काष्ठ प्रजातियों के स्थान पर खेजड़ी के उपयोग से तैयार किए गए काष्ठीय उत्पादों के बारे मे बताया, वन संरक्षण प्रभाग में श्री बुन्देश कुमार (तकनीकी सहायक) ने वृक्षों मे लगने वाले विभिन्न कीट एवं रोगकारकों के बारे में एवं खेजड़ी मृत्यता के मुख्य कारक कीट अकेंथोफोरस सेरेटिर्कोनिस *(Acanthophorus serraticornis)* के बारे में जानकारी दी, श्री गंगाराम चौधरी, (अनुसंधान सहायक) ने विद्यार्थियों को जी.पी.आर.एस तकनीक के बारे में एवं श्री करणाराम चौधरी (अनुसंधान सहायक) ने विभिन्न पोषक तत्वों एवं मृदा सुधार व प्रबंधन की विधियों से अवगत कराया। विद्यार्थियो को उत्तक संवर्धन (Tissue culture) प्रयोगशाला का भी भ्रमण कराया गया जहां सुश्री दीपिका लोढा (तकनीकी सहायक) ने उत्तक संवर्धन द्वारा पौधों को तैयार करने की तकनीक बताई।

भ्रमणकारी दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र का भ्रमण कर वहां पर प्रदर्शित शोध गतिविधियों, उपलब्धियों एवं विकसित तकनीकों से संबंधित सूचनाओं एवं सामग्री की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने उत्तक संवर्धन से विकसित गुग्गल वृक्षारोपण का अवलोकन किया। इसके बाद भ्रमणकारी दल ने संस्थान की प्रायोगिक एवं उच्च तकनीक

पौधशाला में पौधशाला तकनीक की जानकारी हासिल की। विद्यार्थियों ने पौधशाला परिसर स्थित औषधीय पौधों के जर्मप्लाज्म बैंक में औषधीय पौधों का भी अवलोकन किया। पौधशाला प्रभारी श्री सादुलराम देवड़ा ने पौधशाला परिसर में विभिन्न जानकारी विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी। भ्रमण कार्यक्रम का समन्वयन श्रीमती भावना शर्मा (वैज्ञानिक डी) ने किया। कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार संस्थान के जन-संपर्क अधिकारी डा. एन. के. बोहरा ने किया। कार्यक्रम में श्री रतनाराम लोहरा (अनुसंधान सहायक प्रथम), श्रीमती मीता सिंह तोमर (तकनीकी सहायक) एवं श्री तेजाराम का सहयोग रहा।

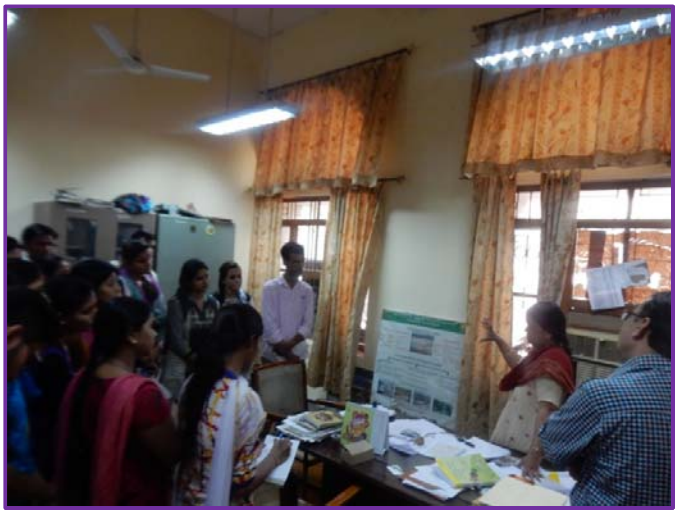

TION THROUGH SURFACE VEGETATION
DOMINANT

समाचार पत्रों की कतरनें

29/4/16 राजस्थान पत्रिका 08

आफरी में वनस्पति विज्ञान की कक्षा

जेएनवीयू के एमएससी के विद्यार्थियों ने देखे शोध कार्य

बासनी/जोधपुर @ पत्रिका. आफरी में जेएनवीयू के वनस्पति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों को वन संरक्षण, जैव विविधता, वानिकी और स्थानीय वातावरण के बारे में उपयोगी जानकारी दी। विद्यार्थियों को आफरी के वैज्ञानिकों ने वनस्पति विज्ञान से जुड़े आफरी के शोध कार्य बताए।

डॉ. पवन कसेरा के नेतृत्व में आफरी में गुरुवार को जेएनवीयू के सेन्टर ऑफ एडवांस स्टडी, वनस्पति विज्ञान विभाग के एमएससी पूर्वाद्ध के विद्यार्थियों को वनों के विकास के लिए वर्तमान में किए जा रहे शोध के बारे में बताया गया। कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष उमाराम चौधरी ने बताया कि आफरी में वनों के विकास और टिब्बा स्थिरीकरण शोध कार्य किए जा रहे हैं। इस मौके पर वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. विनोद कटारिया, डॉ. सुमन परिहार एवं सुमन सेन के साथ विद्यार्थियों को आफरी निर्वचन, विस्तार केन्द्र तथा आफरी पौधशाला और विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया गया। डॉ. भावना शर्मा एवं डॉ. एनके बोहरा ने को-ऑर्डिनेट किया। मीता सिंह तोमर एवं रतरा राम ने सहयोग दिया। वनस्पति विज्ञान प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष डॉ. एस सुन्दरमूर्ति ने बताया कि विद्यार्थियों को आधुनिक शोध के बारे में जानकारी देने से अध्ययन में लाभ होगा।

दैनिक भास्कर FRIDAY . JODHPUR. 29.04.2016 • 2

NEWS BRIEF

स्टूडेंट्स ने ली आफरी में शोध कार्यों की जानकारी

सेंटर ऑफ एडवांस स्टडी वनस्पति विज्ञान विभाग जेएनवीयू के अधिस्नातक (प्रीवियस) के 29 छात्र-छात्राओं ने डॉ. पवन के. कसेरा के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) का शैक्षणिक भ्रमण कर वानिकी के क्षेत्र में किये जा रहे शोध कार्य की जानकारी प्राप्त की। आफरी निदेशक एन. के. वासु भावसे ने बताया कि आफरी के कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष उमाराम चौधरी भावसे ने आफरी की ओर से किये जा रहे विभिन्न शोध कार्यों एवं विकसित तकनीकी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. विनोद कटारिया, डॉ सुमन परिहार एवं सुमन सेन मौजूद थी। विद्यार्थियों को आफरी निर्वचन एवं विस्तार केंद्र तथा आफरी पौधशाला का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को जल एवं मृदा संरक्षण, अकाष्ठ वनोपज, खेजड़ी की मृत्यता, औषधीय पादपों, नर्सरी तकनीकी, जैव इंधन, बायो ड्रेनेज आदि के बारे में जानकारी दी गई। वनस्पति विज्ञान प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष डॉ एस. सुंदरमूर्ति ने बताया कि अधिस्नातक के छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के दौरान शोध संस्थाओं का भ्रमण कराकर तकनीकी जानकारी एवं आधुनिक शोध के बारे में सूचनाएं दी जाती है।